|| निर्वाण षटकम ||

मनोबुद्ध्यहंकार चित्तानि नाहं
न च श्रोत्रजिह्वे न च घ्राणनेत्रे ।
न च व्योम भूमिर्न तेजो न वायुः
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ।। 1 ।।

न च प्राणसंज्ञो न वै पंचवायुः,
न वा सप्तधातुः न वा पञ्चकोशः ।
न वाक्पाणिपादौ न चोपस्थपायु,
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ।। 2 ।।

न मे द्वेषरागौ न मे लोभमोहौ,
मदो नैव मे नैव मात्सर्यभावः ।
न धर्मो न चार्थो न कामो न मोक्षः,
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ।। 3 ।।

न पुण्यं न पापं न सौख्यं न दुःखं,
न मन्त्रो न तीर्थो न वेदा न यज्ञ ।
अहं भोजनं नैव भोज्यं न भोक्ता,
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ।। 4 ।।

न मे मृत्युशंका न मे जातिभेदः,
पिता नैव मे नैव माता न जन्मः ।
न बन्धुर्न मित्रं गुरूर्नैव शिष्यः,
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ।। 5 ।।

अहं निर्विकल्पो निराकार रूपो,
विभुत्वाच सर्वत्र सर्वेन्द्रियाणाम् ।
न चासङ्गतं नैव मुक्तिर्न मेयः,
चिदानन्दरूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ।। 6 ।।

|| Nirvana Shatakam Lyrics ||

Mano buddhi ahankara chittani naaham
Na cha shrotravjihve na cha ghraana netre
Na cha vyoma bhumir na tejo na vaayuhu
Chidananda rupah shivo'ham shivo'ham

Na cha prana sangyo na vai pancha vayuhu
Na va sapta dhatur na va pancha koshah
Na vak pani-padam na chopastha payu
Chidananda rupah shivo'ham shivo'ham

Na me dvesha ragau na me lobha mohau
Na me vai mado naiva matsarya bhavaha
Na dharmo na chartho na kamo na mokshaha
Chidananda rupah shivo'ham shivo'ham

Na punyam na papam na saukhyam na duhkham
Na mantro na tirtham na veda na yajnah
Aham bhojanam naiva bhojyam na bhokta
Chidananda rupah shivo'ham shivo'ham

Na me mrtyu shanka na mejati bhedaha
Pita naiva me naiva mataa na janmaha
Na bandhur na mitram gurur naiva shishyaha
Chidananda rupah shivo'ham shivo'ham

Aham nirvikalpo nirakara rupo
Vibhut vatcha sarvatra sarvendriyanam
Na cha sangatham naiva muktir na meyaha
Chidananda rupah shivo'ham shivo'ham